अध्याय-1

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां

उपभोक्ता ऐजेन्सियों में पहले से हस्तान्तरित प्रौद्यागिकियां

1. यूकेलिप्टस प्रजातियों एवं पॉपलर की चिराई और रूपान्तरण तकनीक।
2. दरवाजे और खिड़कियों के लिए पॉपलर का उपयोग।
3. फर्नीचर एवं जुड़ाई हेतु पॉपलरों/यूकेलिप्टस के लिए तरूण काष्ठ के उपयोग हेतु प्रौद्योगिकी।
4. द्वितीयक प्रजाति (विशेषकर यूकेलिप्टस प्रकाष्ठ) के परिरक्षक उपचार।
5. प्रकाष्ठ का संशोषण, सौर एवं ऊर्जा सक्षम शोषक आधारित आपाकों की स्थापना।
6. काष्ठ का प्लैस्टिकीकरण एवं बंकन तकनीकें।
7. काष्ठ की रंगाई और अमोनिया धूम्रीकरण।
8. पेंसिल निमार्ण के लिए पॉपलर और पावलोनिया प्रजातियां।
9. बांसों का बृहत प्रवर्धन।
10. जिगत स्थानापन्न।
11. वन जैवमात्रा से प्राकृतिक रंजक।
12. कागज बनाने में बैकवाटर उपचार के लिए ऊर्णी (फ्लॉकूलेन्टस) तैयार करना।
13. जट्रोफा करकश बीज तेल के निराविषीकरण के लिए प्रक्रिया।
14. जैवपॉलीमर्स से आसंजक तैयार करना।
15. केसिया टोरा गोंद तैयार करना और उपयोग।
16. यून्केरिया गैम्बियर से कत्था तैयार करने की प्रक्रिया
17. पादप जैवमात्रा से कम्पोस्ट तैयार करने की प्रक्रिया।

उपभोक्ता एजेन्सियों हेतु हस्तान्तण के लिए तैयार प्रौद्योगिकियां

1. रस विस्थापन तकनीकें।
2. कैटामरैनों के लिए वैकल्पिक प्रकाष्ठ का उपयोग।
3. झिंगन गम - अगरबत्ती निर्माण में जिगत के लिए एक आंशिक स्थानापन्न।
4. क्षेत्र में तेल आसवन के लिए सुवाह्य आसवन इकाई।
5. विभिन्न विधियों (यांत्रिक, वन संवर्धनिक, रासायनिक वानस्पतिक और जैवनियंत्रण) को शामिल करके एकीकृत नाशिकीट प्रबन्धन रणनीतियां।
6. पौधशाला और क्षेत्र में विभिन्न वृक्ष प्रजातियों के उत्पादन वृद्धि के लिए जैवउर्वरक के उपयोग।
7. कृषि वानिकी में कैज्वारिना।
8. कायिक साधनों से वांछित रोपण स्टॉक के बहुमात्रा गुणन के लिए लागत प्रभावी अवसंरचना विकास।
9. बीज प्रौद्योगिकी।
10. कृषिवानिकी मॉडल।
11. अकाष्ठ वन उपज के लिए निम्न लागत ड्राट टाइप ड्रम ड्रायर।
12. औषधीय पादपों की खेती।
13. अकाष्ठ वन उपज।
14. बांसों का ऊतक संवर्धन।
15. बीज परीक्षण प्रौद्योगिकियां
16. पौधशाला पद्धतियों के लिए उन्नत औजार।
17. वर्मिकम्पोस्ट।
18. बम्बूसा न्यूटन्स में बांस शीर्णता रोग का वन संवर्धनिक एवं रासायनिक नियंत्रण।
19. वर्षा जल संचयन एवं संरक्षण प्रौद्योगिकी।
20. दबावग्रस्त स्थलों के वनीकरण के लिए तकनीकें।
21. खनित भूमियों एवं अधिभार ढेरों का पुनवार्स एवं पारि-पुनरूद्धार।
22. सागौन का पर्ण कंकालक प्रतिरोधी कृन्तक।
23. यूकेलिप्टस का क्लोनीय गुणन।